सफ़ाई सेना

सफ़ाईनामा

अंक 2 | नवंबर 2011 | सफ़ाई सेना का प्रकाशन

कबाड़ियों की आवाज

सफलता के नये राह पर सफाई सेना

सफाई सेना द्वारा किये जा रहे कार्यो मे एक नये अध्याय की शरूआत हो रही है। दिल्ली के पास स्थित फरीदाबाद में सफाई सेना व रैमकी के सहयोग से वहां पर डोर टू डोर कुडा उठाने का सरकारी रूप से प्रतिबंधित किया गया है जहां पर सफाई सेना ने कार्य शुरु कर दिया है। वहां पर सर्वप्रथम कार्य कर रहे बाल्मिकी की एक समुह बैठक कर कार्य के शुरूआत कर चुके है। आशा करते है कि बहुत जल्द एक बडे स्तर पर फरीदाबाद मे कार्य हो सके।

हमें भी अधिकार है

मेरा नाम ओम प्रकाश है मैं पिलंजी गांव मे रहता हूं। मैं और मेरे साथ घरो से कुडा उटाने वाले साथियो का कहना है। कि हम कुडे का काम करते है सभी के घरो व दफ्तरों से कूड़ा साफ करते है। लोगो को कई बीमारियो से बचाते है। लेकिन फिर भी हमें सम्मान की नजरो से नही देखा जाता है। सरकार के बिना किसी जरूरत के बावजूद हम नगर निगम की मदद करते है। फिर भी सरकार हमारी ओर ध्यान नही देती। हमारी झुग्गी को तोडकर हमे बेघर करते है। हमारे बच्चो का दखिला स्कूल में नही देते लेकिन हम भी तो इस देश के नागरिक है। हमारे भी कुछ अधिकार है। सरकार को हमारी तरफ भी ध्यान देना चाहिये।

सूर्य नगर

मेरा नाम जावेद है मैं सीमापुरी स्थित ई –44 की कबाडी बस्ती में रहता हूं। 16.10.2011 को सूर्य नगर में सुबह–सुबह जी.एन.एन. की राउन्ड विजिट हुई जिसके दौरान सामने आये सभी कबाडी भाई जो रास्ते से जा रहे थे या कुडेदान पर कार्य कर रहे थे। सभी को पकडकर सभी कबाडी भाईयो का रिक्शा जब्त कर लिया गया। महिलायों को भला बुरा भी कहां गया। कारण पता करने पता चला कुछ कबाडी भाईयो ने कुडे दान पर ही छटाई करते थे तथा वही कुडा फैला देते थे जिस कारण वहां के रहने वालो ने शिकायत की। गाजियाबाद नगर निगम से बात करने की कोशिश कि जा रही है लेकिन वह हमारी बात नही मानते व मिलने से इन्कार कर रहे है हमे मदद की जरूरत है।

आधुनिक हुआ सफाई सेना

आधुनिक युग के इस दौर मे जरूरतो को ध्यान मे रखते हुए सफाई सेना अपने व अपने द्वारा किये जा रहे कार्यो की जानकारी के लिए आधुनिक मीडिया प्रणाली की सहायता ले रही है। ज्यादा से ज्यादा लोगो से जुडने के लिय सफाई सेना ने अपना फेसबुक बना दिया है। पिछले नवम्बर माह की सफाई सेना की मासिक बैठक के दौरान सफाई सेना के सदस्यो ने फेसबुक को समझा व इस्तेमाल करना सिखा। आने वाले समय में सफाई सेना अपना वेबसाइट भी लांच करने वाला है।

मेहनत लाई रंग

मेरा नाम अजीज है मैं भोपुरा में रहता हुं मैं सफाई सेना के सचिव पद पर कार्य कर रहा हूं। सफाई सेना के निरंतर प्रयास व कार्यो के बाद टैट्रापैक कंपनी द्वारा दिये गये कार्यो की सफलता में नये आयाम जुडते जा रहे है। शुरूआत में हमे टैट्रापैक जमा करने मे कभी परेशानियो का सामना करना पडा लेकिन निरंतर प्रयास व टैट्रापैक द्वारा किये गये अलग–अलग स्थानो पर कार्यशालाओ का आयोजन के बाद आज सभी एरियो से टैट्रापैक हमारे सफाई सेना गोदाम मे आने लगा है। और आज हम महिने में कम से कम तीन बार ट्रक भर कर टैट्रापैक रिसाइक्लिंग भेज रहे है और सफाई सेना सदस्यो को आमदनी मे मदद कर रहे है।

हम चिंतन सदस्यो का भी धन्यवाद देते है क्योकि उनकी मदद के बिना यह संभव नही था।

आयशा बीबी और जुनैदा बीबी गये भोपाल

मैं (सुबेदा बीबी–गाजीपुर और आयशा बीबी–निजामुद्धीन) में रहते है। हम चिंतन व सफाई सेना से पिछले 7 साल से जुड़े है। चिंतन व सफाई सेना की ओर से भोपाल में आयोजित 4,5 नवम्बर 2011 को बाल श्रम पर आयोजित कार्यशाला में शामिल हुये। जहां पर देश भर से कचरा कामगार सदस्य व कार्यकार्ता आये हुये थे उन्होंने अपने अपने शहर में बाल श्रम के बारे में बताया तथा स्थिति से अवगत कराया। मैंने और आयशा बीबी ने दिल्ली शहर में बच्चों की स्थिति से अवगत कराया। ये आयोजन ए0आई0डब्ल्यू की तरफ से की गई थी जिसमें शामिल होकर हमें काफी अच्छा लगा।

सफल हुआ स्वास्थ्य व चित्रकला मेला

हिन्दुस्तान टीन वर्क प्राइवेट लिमिटेड व चितंन के सहयोग द्वारा तीन स्वास्थ्य मेला व दो चित्रकला मेला आयोजित किया गये। जो कि निजामुद्दीन, तुकलकाबाद और गाजीपुर में रखी गई थी जो कि काफी सफल रहा। इन स्वास्थ्य मेले में सफाई सेना व उनके साथियों द्वारा बढ चढकर हिस्सा लिया गया। स्वास्थ्य मेले मे लगभग 1300 लोगो की स्वास्थ्य जांच की गई। निजामुद्दीन तथा तुकलकाबाद चित्रकला प्रतियोगिता रखी गई जिसमे चुने गये चित्र के मासिक कलेडंर के लिए भेजा गया। इस तरह के आयोजनो से बच्चे व कबाडी भाईयो को काफी मदद मिलती है इसके लिए हम हिन्दुस्तान टीन प्राइवेट लिमिटेड व चितंन सदस्यों को धन्यवाद देते है।

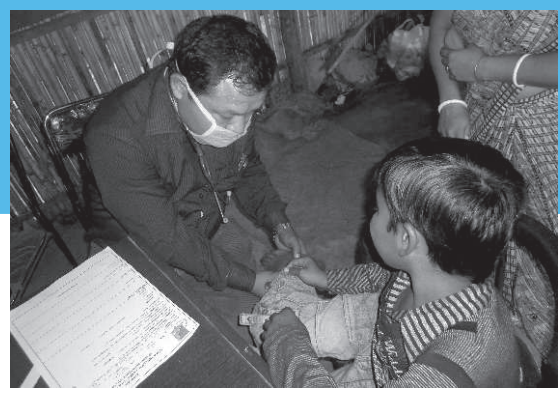

कहानी मकबूल की

मकबूल जिनकी उम्र 19 साल है। वह निजामुद्धीन में पिछले 9 साल से रह रहा है। जब वह निजामुद्धीन आया था उसकी उम्र 10 साल थी तथा वह गांव में कक्षा 6 में पढ़ता था। सर्वप्रथम उसने अपने पिता मलिकमुल्ला के संग कुड़े को अलग–अलग करने का कार्य किया। वह चिंतन द्वारा चलाई जा रही कक्षा में पिछले 2 साल से पढ़ रहा था अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद अब वह उच्च न्यायालय मैं डेटा एंन्ट्री ऑपरेटर के पद पर काम कर रहा है।

भोर भय जग जारा कबाडी

भोर भय जग जारा कबाडी
उरे ना कोई पेरशानी से।
रुखा सुखा खाकर निकले।
अपनी–अपनी फरारी से।

ये अनपढ लोग कबाडी
नही डरता परेशानी से।
मैंडम–साहब बोल–बोल के
अपना काम बनाता असानी से।

बिहार बंगाल से करने
आये मेहनत और ईमानदारी से।
सरकार फिर भी बेदखल करे
वह भी बेइमानी से।

कहते हम कबाडी भाई
ना सोना चाहे, ना चांदी चाहे
हम तो चाहे काम चहिये,
सम्मान चहिये
जिने का अधिकार चहिये।

धनराज (भोपुरा)

संपादकीय बोर्ड :- मुहम्मद ताजुददीन (सीमापुरी) : 9953515236, ओम प्रकाश (पिलंजी) : 8750474496, मुहम्मद कासिम (गाजीपुर) : 9716843646, ओम प्रकाश भोपुरा : 8800517954, रफीक (लोनी)

पता :- यु.एस.एफ. पियुट्री, स्कूल ब्लाक, मंडावली, दिल्ली –110092
फोन :-9810225423 ई–मेल :- safai.sena@gmail.com
वेबसाइट :-www.safaisena.net फेसबुक :-www.facebook.com/safaisena

सफ़ाई सेना